SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

KUMARI SELJA (Haryana): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI MADHUSUDAN MISTRY (Gujarat): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI HUSAIN DALWAI (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI BHUPINDER SINGH (Odisha): Sir, the whole House associates itself with this.

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश)ः उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश)ः उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

मीर मोहम्मद फ़ैयाज (जम्मू और कश्मीर)ः उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

†**جناب میر محمد فیاض (جموں و کشمیر) :** اپ سبھا پتی جی، میں خود کو اس سے سمبدھ کرتا ہوں۔

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. Now, Shri K. C. Tyagi.

Teaching *Shaheed* Bhagat Singh as terrorist in curriculum of Delhi University

श्री के. सी. त्यागी (बिहार)ः उपसभापति जी, मैं राष्ट्रीय महत्व के एक प्रश्न की तरफ आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं पिछले तीन दिन से शहीदे आज़म भगत सिंह का परिवार दिल्ली में घर-घर जाकर भगत सिंह को 'आतंकवादी' न कहा जाए, ऐसा कह रहा है। जैसा कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के आर्थिक सहयोग से प्रकाशित "भारत का स्वतंत्रता संघर्ष" नामक पुस्तक में उल्लेख है और गृह मंत्रालय की सूची से भी अभी तक भगत सिंह को 'आतंकवादी' के रूप में ही लिखा जाता है, पढ़ा जाता है और इसमें उसका उल्लेख है। ...**(व्यवधान)**... इस पुस्तक की दस लाख से ज्यादा प्रतियां बिक चुकी हैं। उपसभापति जी, पिछले साल सांसदों के एक प्रतिनिधि मंडल में मुझे लाहौर जाने का अवसर प्राप्त हुआ था। लाहौर के शदमन चौक पर भगत सिंह चौक बनाने को लेकर लाहौर के काफी नौजवान सक्रिय हैं, जबकि हमारे देश में यह स्थिति बनी हुई है कि भगत सिंह और चंद्रशेखर आज़ाद आतंकवादी गतिविधियों में संलग्न थे। इसी के साथ-साथ बंगाल के जो मेरे इधर के और उधर के साथी बैठे हैं, वे भी

† Transliteration in Urdu script.

appreciate करेंगे कि चटगांव आर्मरी रेड के बाद ही भारत में स्वतंत्रता संग्राम का आंदोलन तेज हुआ था। इसके नायक सूर्यसेन को फांसी हुई थी और कल्पना दत्ता, जो मेरे मित्र चांद जोशी की मदर भी थीं, मेरे दिल्ली के साथी जानते हैं कि उनकी मां को भी काले पानी की लंबी सजा हुई थी। उपसभापति जी, मेरा निवेदन है कि ऐसे क्रांतिकारी, जिन्होंने अपना सर्वस्व देश के लिए बलिदान कर दिया, उनके बारे में पाठ्यक्रम में इस तरह की चीज़ें लिखा जाना गलत है। मेरा दूसरा निवेदन यह है कि मैंने पिछले सत्र में भी उसका जिक्र किया था, डा. मनमोहन सिंह जी उस समय प्रधान मंत्री थे कि जहां से और जहां पर सरदार भगत सिंह ने बम फेंका था, उन स्थानों को ऐतिहासिक धरोहर के रूप में सजाकर रखने का काम भी भारत सरकार को करना चाहिए। यह इसलिए होना चाहिए, क्योंकि यह इतिहास है, जिसको पढ़कर नई पीढ़ियां भारत देश पर और अपने इतिहास पर गर्व करती हैं। यह मुद्दा दोनों विभागों से जुड़ा हुआ है। यह एचआरडी और गृह मंत्रालय से जुडा हुआ मुद्दा है, इसलिए मैं चाहूंगा कि आप मंत्री महोदय को नंबर एक तो यह आदेश दें कि गृह मंत्रालय की काली सूची से भगत सिंह का नाम निकाला जाए, नंबर 2 दिल्ली विश्वविद्यालय के अंदर जो दस लाख किताबें बेची गई हैं, पढ़ाई गई हैं, उनमें भी संशोधन किया जाए, नंबर 3 भगत सिंह और उनके साथियों ने जिस स्थान से केवल दिखाने के लिए बम फेंके थे, किसी को मारने के लिए नहीं, उन स्थानों को देश की धार्मिक धरोहरों के साथ, ऐतिहासिक धरोहरों के साथ संग्रह करने का काम भारत सरकार करे।

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI SUKHENDU SEKHAR ROY (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI RANVIJAY SINGH JUDEV (Chhattisgarh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member. ...(*Interruptions*)..

श्री अली अनवर अंसारी (उत्तर प्रदेश)ः उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश)ः उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश)ः उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, the entire House is one with this. ...(*Interruptions*)... The whole House agree.

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख़्तार अब्बास नक़वी)ः उपसभापति जी, माननीय त्यागी जी ने बहुत ही गम्भीर और संवेदनशील मुद्दा उठाया है। शहीदे आज़म सरदार भगत सिंह हम सब के आदर्श हैं और उन्होंने देश को आजाद कराने के लिए जो कुर्बानी दी है, निश्चित तौर से हर भारतवासी नतमस्तक होकर उनकी कुर्बानी को, उनके जुनून को, उनके जज्बे को सलाम करता है। जिस मुद्दे पर त्यागी जी ने कहा कि कुछ पुस्तकों में या कुछ अन्य जगहों पर उनको आतंकवादी दिखाया गया है, हम उस बात से बिल्कुल सहमत नहीं हैं, उनकी निन्दा भी करते हैं और हम उस विभाग के मंत्री और विभाग से इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने के लिए कहेंगे।

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (मध्य प्रदेश): हम जानना चाहेंगे कि यह किस व्यक्ति ने लिखा है? ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, yes. Ensure that from such books it is removed and also inquire how it happened.

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Sir, I will convey the feelings of the House to the concerned Minister. ...(*Interruptions*)..

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी: जिस व्यक्ति ने यह लिखा है उस आदमी के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए ...(**व्यवधान**)... जिसने शहीदों को 'आतंकवादी' बताया है ...(**व्यवधान**)... क्या उस व्यक्ति के खिलाफ कार्यवाही होगी? ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ..(*Interruptions*).. Now, please sit down. Chaudhary Munvvar Saleem.

Minority status of Aligarh Muslim University

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश):

"चश्मे सैय्यद निगरां हैं कि फिर उट्ठे शायद
कोई दीवाना अलीगढ़ के बयाबानों से।"

उपसभापति महोदय, मैं एक ऐसे इदारे का दर्द लेकर खड़ा हुआ हूं, जो हिन्दुस्तान की तारीख भी है और हिन्दुस्तान की तरबीयत का एक बेहतरीन मरकज भी है। मेरी मुराद अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से है।

उपसभापति जी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी का ख्वाब मरहूम सर सैयद ने 1877 में देखा था, लेकिन उसको वे पूरा नहीं कर सके। 1920 में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी एक बिल के जरिए ब्रिटिश पार्लियामेंट ने बनाई। उस वक्त हिन्दुस्तानी मुसलमानों से 30 लाख रूपये और 5 एकड़ जमीन का मुतालबा था, जबकि हिन्दुस्तानी मुसलमानों ने इकट्ठा करके 500 एकड़ जमीन और 37 लाख रूपया दिया और उस इदारे को शुरू कर दिया गया। उस इदारे ने बहुत सारे नायाब हीरे पैदा किए। कुछ लोगों ने उसे मजहब के आईने में देखा।

उपसभापति महोदय, मैं आपसे कहना चाहता हूं और आपके जरिए सरकार से कहना चाहता हूं कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी वह इदारा है, जहां अगर ईद के दिन काली शेरवानियों से अरास्ता स्टुडेंट दिखाई देते हैं, तो ईद-ए-गुलाबी, यानी होली के दिन रंग में सराबोर लोग भी दिखाई देते हैं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी वह इदारा है, जहां जो पहले ग्रेजुएशन करने वाले छात्र थे, वे राजा महेंद्र सिंह थे। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी वह इदारा है, जहां आज भी 50 फीसदी से ज्यादा मेडिकल कॉलेज में बहुसंख्यक समाज के लोग पढ़ते हैं, लेकिन अगर उसका अक्लियती किरदार खत्म करने की कोशिश की जाए, तो यह दुर्भाग्यशाली होगा। माननीय उपसभापति जी, 1965 में एक दुर्भाग्यशाली घटना हुई थी, उसके बाद अलीगढ़ तहरीक के नाम से एक तहरीक चली, जिसमें हिन्दुस्तान शामिल हुआ और उस तहरीक के सबसे मजबूत और कद्दावर नेता का नाम मोहम्मद आज़म खान था। उन्होंने लम्बी जेल काटी और उसके बाद जय